राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम

NVBDCP

मलेरिया उपचार विधि

- पी0 वी0 हेतु आमूल उपचार –

आयु (वर्षो में)	क्लोरोक्वीन			प्राइमक्वीन
	प्रथम दिन	द्वितीय दिन	तृतीय दिन	1 से 14 दिन
1 से कम	75 मि0ग्रा0	75 मि0ग्रा0	32.5 मि0ग्रा0	0 मि0ग्रा0
1 से 4 तक	150 मि0ग्रा0	150 मि0ग्रा0	75 मि0ग्रा0	2.5 मि0ग्रा0
5 से 8 तक	300 मि0ग्रा0	300 मि0ग्रा0	150 मि0ग्रा0	5 मि0ग्रा0
9 से 14 तक	450 मि0ग्रा0	450 मि0ग्रा0	225 मि0ग्रा0	10 मि0ग्रा0
15 व अधिक	600 मि0ग्रा0	600 मि0ग्रा0	300 मि0ग्रा0	15 मि0ग्रा0

- पी0 एफ0 हेतु आमूल उपचार **(ACT Artimisinine based combination therapy)**

आयु (वर्षो में)	प्रथम दिन		द्वितीय दिन		तृतीय दिन
	आरटीसुनेट	सल्फाडोक्सीन व पायरीमीथामिन	आरटीसुनेट	प्राइमाक्वीन	आरटीसुनेट
1 से कम	25 मि0ग्रा0	1/4 टेबलेट	25 मि0ग्रा0	0 मि0ग्रा0	25 मि0ग्रा0
1 से 4 तक	50 मि0ग्रा0	1 टेबलेट	50 मि0ग्रा0	7.5 मि0ग्रा0	50 मि0ग्रा0
5 से 8 तक	100 मि0ग्रा0	1.5 टेबलेट	100 मि0ग्रा0	15 मि0ग्रा0	100 मि0ग्रा0
9 से 14 तक	150 मि0ग्रा0	2 टेबलेट	150 मि0ग्रा0	30 मि0ग्रा0	150 मि0ग्रा0
15 व अधिक	200 मि0ग्रा0	3 टेबलेट	200 मि0ग्रा0	45 मि0ग्रा0	200 मि0ग्रा0

(नोट – ACT पहले तीन महीनों में गर्भवती को नहीं देनी है व एक वर्ष से कम के बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं को प्राइमाक्वीन न दें)

- <u>गर्भवती महिला हेतु उपचार –</u>

– पहली तिमाही क्वीनीन साल्ट 10 मि0ग्रा0/कि0ग्रा0 तीन बार सात दिनों तक।
– दूसरी व तीसरी तिमाही **ACT**

- <u>मिश्रित संक्रमण हेतु उपचार –</u>

– ACT का पूरा कोर्स व प्राइमाक्वीन 0.25 मि0ग्रा0/कि0ग्रा0 14 दिन तक।

प्रकाशित :–

जिला मलेरिया अधिकारी
हरिद्वार

मुख्य अधिकारी अधिकारी
हरिद्वार